

हरियाणा में भूजल नषिकर्षण

चर्चा में क्यों?

हरियाणा में **भूजल नषिकर्षण (SoE) का स्तर** 135.74 % तक पहुँच गया है, जो दर्शाता है कि भूजल नषिकर्षण की दर धारणीय उपयोग सीमा से अधिक है।

प्रमुख बदि

■ भूजल नषिकर्षण की वर्तमान स्थिति:

○ हरियाणा

- वार्षिक भूजल पुनर्भरण: 9.55 बिलियन क्यूबिक मीटर (bcm)
- वार्षिक नषिकर्षण योग्य भूजल: 8.69 bcm
- कुल भूजल नषिकर्षण (2023): 11.8 bcm
- SoE: 135.74%, यह दर्शाता है कि नषिकर्षण धारणीय स्तर से अधिक है।

○ पंजाब

- वार्षिक भूजल पुनर्भरण: 18.84 bcm
- वार्षिक नषिकर्षण योग्य भूजल: 16.98 bcm
- कुल भूजल नषिकर्षण (2023): 27.8 bcm
- SoE: धारणीय स्तर से अधिक, तथा नषिकर्षण स्थायी रूप से उपयोग किये जा सकने वाले स्तर से अधिक है।

○ राजस्थान

- वार्षिक भूजल पुनर्भरण: 12.45 bcm
- वार्षिक नषिकर्षण योग्य भूजल: 11.25 bcm
- कुल भूजल नषिकर्षण (2023): 16.74 bcm
- SoE: 148.77%, जो पुनर्भरण की तुलना में महत्त्वपूर्ण अति-नषिकर्षण को दर्शाता है।

■ भूजल क्षरण की चिंताएँ:

- **पर्यावरणीय क्षरण:** जब भूजल स्तर गिरता है, तो खारा जल तटीय क्षेत्रों में प्रवेश कर सकता है, जिससे स्वच्छ जल के संसाधन दूषित हो सकते हैं।
- **भूजल प्रदूषण:** कृषि, सीवेज और उद्योग जैसी मानवीय गतिविधियों से भूजल में **आर्सेनिक**, **फ्लोराइड**, **नाइट्रेट** और **लोह** जैसे प्रदूषक प्रवेश कर सकते हैं।
- **भूमि अवतलन:** जब भूजल का अत्यधिक उपयोग किया जाता है, तो मृदा ढह सकती है, संकुचित हो सकती है और नीचे गिर सकती है, जिससे भूमि अवतलन होता है।

■ नीति अनुशासः

- **जल शक्ति मंत्रालय (MoJS)** ने राज्यों से **किसानों को मुफ्त या सब्सिडी वाली वदियुत्** उपलब्ध कराने की नीतियों का पुनर्मूल्यांकन करने का आग्रह किया है।
- धारणीय उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिये जल मूल्य निर्धारण तंत्र लागू करना।
- भूजल पर निर्भरता कम करने के लिये फसल चक्र, विविधीकरण और अन्य उपायों को लागू करना।

■ जल शक्ति अभियान (JSA) प्रयासः

- वर्ष 2019 से **जल शक्ति अभियान** एक मशिन-संचालित कार्यक्रम रहा है जो वर्षा जल संचयन और जल संरक्षण पर केंद्रित है।
- JSA 2024 भारत भर के 151 जल-संकटग्रस्त जिलों पर केंद्रित है।

